RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 40 अंक 21 हल्द्वानी सम्वत् 2081 सोमवार 28 अक्टूबर 2024 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

दरिद्रता दूर करने के लिये सांस्कृतिक विरासत संभालो

मूल निवासी व भू-कानून को लेकर मचल रहा है पर्वतीय प्रदेश

पहाड़ी आर्मी सम्मेलन : पहाड़ को संभालना लो यही दीपावली का उपहार होगा

धीरज उप्रेती

हल्द्वानी। खुशियों का त्यौहार दीपावली की सबको बधाई। खासकर उनको जो अपनी सांस्कृतिक विरासत को संभालने के साथ ही समाज में जागरूकता के लिये सच्चे मन से लगे हैं। असल में होने यह लगा है कि सोशल मीडिया की धमाचौकड़ी में जो कुछ दिखाया व बतलाया जा रहा है वह सच्चाई कम दिखावा ज्यादा है। ऐसे में अपने को संभाल लेना ही बहुत बड़ी बात हो चुका है। जिस प्रकार के दिखावट प्रदर्शनों का रेला उत्तराखण्ड सहित अन्य जगह चल पड़ा है वह आने वाले समय की दरिद्रता की निशानी है।

दरिद्रता की इस निशानी को मिटाने के लिये हमें अपने मूल को जानना जरूरी है। इसमें घालमेल कर ऐसा लचीला बनकर कोई लाभ नहीं जो हमारी पहचान ही मिटा दे। विकास के नाम पर ज्यादातर यही होने लगा है। इन्हीं कारणों से पर्वतीय प्रदेश उत्तराखण्ड में भी सांस्कृतिक अतिक्रमण जारी है। जाने-अनजाने हो रहे इन हमलों का प्रभाव दस-पन्द्रह साल में बहुत साफ दिखाई देगा। इसे रोकने के लिए जागरूक जन व संगठन आगे आये हैं। सरकार की ओर से भी सख्त भू-कानून की बात कही जा रही है। इस मामले पर कितना कुछ होता है यह आने वाले दिनों में दिखाई देगा।

फिलहाल इन दिनों में युवाओं का बड़ा समूह सच्चाई को समझ चुका है जो बोलने और अपने अधिकार मांगने में चूक नहीं कर रहा। इसी क्रम में पहाड़ी आर्मी ने सरकार से सख्त भू-कानून, मूल निवास और 5वीं अनुसूची के लिये कहा है। पहाड़ी आर्मी के संस्थापक अध्यक्ष हरीश रावत ने कहा कि भाजपा और कांग्रेस के नेताओं को उत्तराखण्ड को पांचवी अनुसूची में शामिल करने के लिये एक होना होगा। 1931 में कुमाऊँ और गढ़वाल के पहाड़ी इलाकों को संयुक्त प्रान्त ने यह अधिकार दिया था। 1971 में इस दर्जे को समाप्त कर दिया गया। कहा कि भू कानून, मूल निवास और उत्तराखण्ड को 5वीं अनुसूची में शामिल करने के लिये पहाड़ी आर्मी बड़े आन्दोलन को तैयार है।

गढ़वाल में लगातार इस मसले पर बड़े प्रदर्शन हो चुके हैं। ऋषिकेश में उमड़ा जन सैलाब बता रहा है कि सांस्कृतिक दरिद्रता को नई पीढ़ी नहीं ओढ़ेगी। इस सच्चाई को सभी ने जान लेना चाहिये क्योंकि देश आजादी के बाद जिस प्रकार से अभी तक भी संवरने का काम चल ही रहा है।

सख्त भू-कानून की मांग को लेकर घमासान!

डॉ. हरीश चन्द्र अन्डोला

अपनी संस्कृति, विरासत, जल, जंगल और जमीन को बचाने के लिए उत्तराखण्ड में एक बार फिर से आन्दोलन होनने लगे हैं। एक तरफ जहाँ उत्तराखण्ड में सख्त भू-कानून की मांग की जा रही है तो वहीं इस राज्य को संविधान में निहित 5वीं अनुसूची में शामिल करने का मुद्दा भी उठने लगा है। आखिर क्या है भारत के संविधान में निहित 5वीं अनुसूची और उत्तराखण्ड के इससे कैसे लाभ मिलेगा? ब्रिटिश सरकार ने भी 1931 में पहाड़ को ये स्टेट्स दिया था, लेकिन यूपी ने छीन लिया था।

ब्रिटिश सरकार ने तो पहाड़ी इलाकों को विशेष दर्जा दिया था। यूपी के पहाड़ी जिलों को ब्रिटिश काल से ही ट्राइब स्टेट्स मिला हुआ था लेकिन आजादी के बाद यूपी सरकार ने पहाड़ी जिलों से ट्राइब स्टेट्स छीन लिया था, जो उत्तराखण्ड को अलग राज्य बनने के बाद भी नहीं मिला है। साल 1931 में तत्कालीन ब्रिटिश सरकार ने भी तब के यूपी के पहाड़ी जिलों (आज के उत्तराखण्ड) में अनुसूचित जिला अधिनियम 1874 यानी ट्राइब स्टेट्स लागू किया था। कुल मिलाकर कहा जाए तो उत्तराखण्ड को ब्रिटिश सरकार में वही अधिकार मिले थे, जो आज के संविधान की 5वीं और 6वीं अनुसूची में हैं। ब्रिटिश काल में पहाड़ में दो जिले थे, एक अल्मोड़ा और दूसरा ब्रिटिश गढ़वाल। टिहरी अलग से रियासत थी। संविधान की 5वीं और 6वीं अनुसूची में राज्यवासियों को जल, जंगल और जमीन के लिए कुछ अतिरिक्त अधिकार मिले हैं लेकिन भारत के आजाद होने के बाद साल 1971 में तत्कालीन यूपी सरकार ने अपने पहाड़ी जिलों यानी आज के उत्तराखण्ड का वो स्टेट्स खत्म कर दिया था। यानी उत्तराखंड को संविधान की 5वीं अनुसूची से बाहर कर दिया गया था, जो अधिकारी कभी अंग्रेजी हुकुमत ने भी पहाड़ के लोगों को दिए थे। हालांकि उत्तराखण्ड के हिमाचल से लगे जौनसार बाबर क्षेत्र में आज भी इस तरह के कुछ कानून लागू हैं जिस कारण बाहरी लोगों को वहाँ जमीन खरीदना मुश्किल है। वहीं नौकरी में भी उन्हें चार प्रतिशत का आरक्षण मिलता है। बता दें कि जौनसार बाबर ट्राइब क्षेत्र है। इतना ही नहीं तत्कालीन यूपी सरकार ने 1995 में पहाड़ी जिले (गढ़वाल और कुमाऊँ) के लोगों को नौकरी में मिलने वाले 6 प्रतिशत आरक्षण को भी खत्म कर दिया था। तभी से पहाड़ में यूपी से अलग उत्तराखण्ड राज्य की मांग उठने लगी थी। धीरे-धीरे पृथक राज्य की मांग को लेकर आन्दोलन तेज होने लगा था। आखिर में सरकार को जनता के सामने झुकना पड़ा और साल 2000 में यूपी के अलग होकर उत्तराखण्ड गठन का नाम (उत्तरांचल) का जन्म हुआ, लेकिन अभी तक भी उत्तराखण्ड को संविधान की 5वीं अनुसूची में शामिल करने की मांग पूरी नहीं हुई। उत्तराखण्ड के छोड़कर संविधान की 5वीं और 6वीं अनुसूची सभी पहाड़ी राज्यों में लागू है। धारा 370 की वजह से जम्मू-कश्मीर संविधान की 5वीं और 6वीं सूची से बाहर था। उत्तराखण्ड के 5वीं अनुसूची में शामिल होने से न सिर्फ यहाँ जल, जंगल और जमीन बचेगी, बल्कि यहाँ के युवाओं को केन्द्रीय शिक्षण संस्थानों और नौकरियों

शेष पृष्ठ 2 पर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

जागरूकता से ही अंधेरा दूर होगा

वर्तमान की आपाधापी में ज्यादातर यह मानने लगे हैं कि जितना कुछ दिखाई दे रहा है वह विकास क्रम है लेकिन इसकी सच्चाई बहुत डरावनी है। क्योंकि प्राइमरी पाठशाला से ही जिस प्रकार की नींव बच्चों में पड़ रही है और जिस प्रकार की चकाचौंध वह देख रहे हैं, वह खोखलापन है। शिक्षा के अलावा अन्य क्षेत्रों में भी यही सब होने लगा है। ऐसे में कैसे कहें कि दीपावली में जलने वाले दिये का प्रकाश अन्धकार दूर करेगा? जिस उजाले की बात हम करते हैं वह सच्चाई-सीधाई-समर्पण-सन्तोष से ही सम्भव है।

सरकारी शिक्षण संस्थाओं के हालात बेहाल होते जा रहे हैं जबकि शिक्षा और चिकित्सा किसी भी समाज की पहली जरूरत है। जैसे-तैसे नौकरी के लिये शिक्षा विभाग में आने वालों का मिशन शिक्षण कार्य नहीं लगता है। कुछ ही सरकारी स्कूल उत्कृष्ट दिखाई देते हैं। सरकारी व्यवस्था में खराब हालात देख लोगों ने प्राइवेट शिक्षण संस्थानों की ओर रुख किया जिससे बेतहासा भीड़ इनमें है परन्तु शिक्षा के मिशन वाले स्कूल गिनती भर के हैं। इसके पीछे मुख्य कारण है कि शिक्षा को उद्योग के रूप में चलाने वाले, काले को सफेद दिखाने वाले भी स्कूलों का संचालन करने लगे हैं। जब शिक्षा का पूरा ढांचा इस प्रकार का हो चुका है तो अन्य बातें भी डगमग होनी ही हैं। चिकित्सा व्यवस्था में सरकारी से ज्यादा निजी व्यवसाय हैं। इनमें भी दिखावे की चकाचौंध के बीच मरीजों की भीड़ बढ़ती जा रही है।

एक-दूसरे पर अतिक्रमण की मानसिकता ने समाज को तोड़ा है। अपने रीति-रिवाज को तक दिखावे में बदलने वाले इसे क्रान्तिकारी कदम बताने लगे हैं और नेतागण अपने प्रचार के लिये इन्हें संरक्षित कर रहे हैं। इससे किस तरह के उजियारे की आशा की जा सकती है। पहले समय में जब संसाधनों का अभाव था त्यौहारों को लेकर रस था, उमंग थी। वर्तमान में त्यौहारों के नाम पर बाजार सजाए जा रहे हैं, धमाचौकड़ी मची है, सोशल मीडिया पर बहुत उजला दिखाया जाने लगा है परन्तु यह सब कितना ठोस है, समझना चाहिये। हमारी ये समझ ही दीपावली का उपहार होगी। आने वाली पीड़ियां चकाचौंध में उलझकर न रह जाएं और अपनी जड़ों से जुड़ी रहें इसके लिए त्यौहारों के इस मूल मंत्र को भी याद रखना है।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

रत्न भण्डार की रिपोर्ट जल्द जारी होगी

भुवनेश्वर। कोडिशा के कानून मंत्री पृथ्वीराज चरिचन्दन ने कहा कि पुरी के जगन्नाथ मन्दिर में रत्न भण्डार की तकनीकी सर्वेक्षण रिपोर्ट जल्द जारी होने की सम्भावना है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने सितम्बर में यह कवायद की थी, जिसमें रत्न भण्डार (मन्दिर का खजाना कक्ष) सर्वेक्षण में शामिल था।

6 करोड़ वृद्धों को मिलेगा स्वास्थ्य पैकेज लाभ

नई दिल्ली। सरकार की आरे से 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों के लिए स्वास्थ्य कवरेज शुरू करने की तैयारी के बीच आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना की कार्यान्वयन एजेंसी एनएचए बुजुर्गों के लिए और अधिक स्वास्थ्य पैकेज जोड़ने का आकलन कर रही है। इसमें 6 करोड़ वृद्धों को स्वास्थ्य पैकेज का लाभ मिल सकेगा।

वर्किंग हॉलिडे मेकर वीजा के लिये आवेदन

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के सहायक आव्रजन मंत्री मैट थिस्टलेथवेट ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया के नए 'वर्किंग हॉलिडे मेकर' वीजा कार्यक्रम के अन्तर्गत 1000 स्थानों के लिये केवल दो सप्ताह में 40 हजार आवेदन जमा हो गये। यह वीजा 18 से 30 वर्ष की आयु के भारतीय को 12 महीने तक ऑस्ट्रेलिया में रहने, काम करने और अध्ययन की अनुमति देता है।

बांग्लादेश में मूर्ति विसर्जन के दौरान झड़प

ढाका। बांग्लादेश के ओल्ड ढाका इलाके में दुर्गा पूजा के समापन के बाद मूर्ति विसर्जन के लिये दौरान पुलिस के साथ झड़प में तीन घायल हो गये।

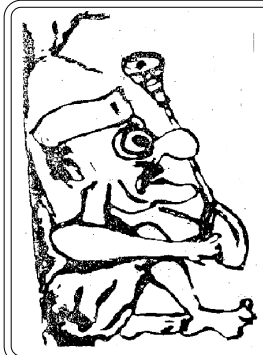

फसक

दाज्यू, करंट हो या न हो जगमग जरूरी ठैरी

चुनाव से पहले त्यौहार हो तो दौड़ादौड़ ज्यादा होती है बल

दाज्यू, दीपावली की भौत बधाई। लब्बू बिजली चोरी में पकड़ा गया घर में लाइट नहीं आ रही है। पहले भी होली के समय विद्युत विभाग वालों ने पकड़ लिया था। दाज्यू, करंट हो या न हो जगमग जरूरी ठैरी। लब्बू ने भी फरकट सिंह से तार जुड़वा लिया है। कह रहा था- 'बड़े होटल में लाखों की बिजली जल रही है कौन क्या करने वाला है।' बीजू पधान भी लब्बू के घर आ चुका है। चुनाव से पहले त्यौहार हो तो दौड़ादौड़ ज्यादा होती है बल। दाज्यू, रास्ता तो निकालना पड़ता है। फतोड़ा-फतोड़ हर युग में होने वाली ठैरी। काशीपुर में जी.बी.पन्त इण्टर कालेज में प्रधानाचार्य व गोविन्द बल्लभ पन्त शिक्षा समिति पदाधिकारियों के बची हुई मारपीट के मामले में प्रधानाचार्य के पक्ष में भाजपा के नेता खुलकर आ चुके हैं। पूर्व विधायक राजीव अग्रवाल ने गुड़िया परिवार पर शिक्षा समिति के नाम पर करोड़ों रुपये के घोटाले का आरोप लगाते हुए जाँच की मांग की है।

दाज्यू, खाने में थूकने वाला वीडियो वायरल होने का करंट भी दौड़ रहा है। हरिद्वार के ज्वालापुर ईदगाह रोड पर हुई बैठक में मुस्लिम धर्मगुरुओं ने बैठक करते हुए खाने को अशुद्ध करने की निन्दा करते हुए जाँच की मांग की है। सीएम धामी पहले ही कह चुके हैं कि उत्तराखण्ड में थूक जिहाद बर्दाश्त नहीं करेंगे। दाज्यू, बहुत गड़बड़ चल रही है। देहरादून में 9 वर्ष की मूकबधिर बच्ची से दुष्कर्म करने वाले को लोगों ने पकड़ा है। बिन्दुखत्ता में कक्षा 11 की छात्रा से छेड़छाड़ के आरोप की जाँच हो रही है। यहीं पनियाली क्षेत्र में माता का जागरण देख लोट रही किशोरी के साथ गैंगरेप हो गया। दाज्यू, बहुत अनर्थ होने लगा है।

-तुम्हारा भुली झकरुवा

सख्त भू-कानून.....

प्रथम पृष्ठ का शेष

में 7.5 प्रतिशत की आरक्षण का लाभ भी मिलेगा। वही जानकारों की माने तो यदि उत्तराखण्ड को भारत के संविधान में निहित 5वीं अनुसूची में शामिल किया जाता तो यह पहाड़ के लिए एक सुरक्षा कवच का काम करेगा। आज जिस तरह के उत्तराखण्ड के संसाधनों का दोहन हो रहा है, उस पर लगाम लग सकेगी। इस बारे में उत्तराखण्ड हाईकोर्ट के सीनियर ने एडवोकेट बताया. भारत के संविधान का अनुच्छेद 244 देश के राष्ट्रपति को शक्ति देता है कि वे भौगोलिक या फिर अन्य परिस्थितियों में किसी भी राज्य को ट्राइबल (जनजातिय) स्टेट घोषित कर सकते है। इसका मुख्य फायदा उस राज्य के लोगों को ही होता है, ताकि वहाँ से लोग अपनी संस्कृति और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा कर सके। बाहरी लोग उस राज्य में जमीन नहीं खरीद सकते है। नियमों के तहत ही कोई बाहरी व्यक्ति प्रदेश में जमीन खरीद सकता है।

क्या ट्राइबल स्टेट बनने से राज्य को कोई नुकसान भी हो सकता है, इस सवाल पर सीनियर एडवोकेट का कहना है कि उत्तराखंड के 5वीं अनुसूची में शामिल होने से प्रदेश को नुकसान नहीं, बल्कि फायदा होगा। क्योंकि यहाँ पहाड़ के लोगों के अधिकार सुरक्षित होगें।

उत्तराखण्ड में भू कानून और राज्य को 5वीं अनुसूची में शामिल कराने की मांग लम्बे समय से चलती आ रही है। इसकी शुरूआत नारायण तिवारी सरकार में ही हो गई थी। तब लोगों को यह लगा था कि उत्तराखण्ड को एक अलग राज्य का दर्जा मिलने के साथ ही 5वीं अनुसूची में भी शामिल किया जाएगा। 2003 में तिवारी सरकार ने यूपी जमीदारी उन्मूलन और भूमि सुधार अधिनियम 1950 की धारा 154 में संशोधन किया। संशोधित कानून के अनुसार बाहरी व्यक्ति को आवासीय उपयोग के लिए उत्तराखण्ड में 500 वर्ग मीटर से ज्यादा जमीन नहीं ले सकता था। इसके साथ ही अगर कोई बाहरी व्यक्ति कृषि भूमि खरीदता है तो उसमें भी कई तरह के प्रावधान रखे गए थे। वहीं व्यावसायिक कार्य के नाम पर भूमि लेने वाले व्यक्ति को दो साल के अन्दर अपना काम शुरू करना होगा। यदि भूमि दो सालों तक खाली पड़ी रही थी तो उसे सरकार को जवाब देने होगा।

उत्तराखण्ड में लम्बे समय से हिमाचल की तर्ज पर सख्त भू कानून लागू किए जाने की मांग चली आ रही है। जिसको देखते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हाल ही में एक बड़ा निर्णय लिया है। जिसके तहत नियमों को ताक पर रखकर बाहरी लोगों की ओर से प्रदेश में खरीदी गई जमीनों की एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी। ऐसे में प्रावधानों के विपरीत जो जमीन पाई जाएगी, उन जमीनों को राज्य सरकार में निहित किया जाएगा। भले ही राज्य सरकार ने एक बड़ा निर्णय लिया हो लेकिन प्रदेश की विषम भौगोलिक परिस्थितियां और डाटाबेस बड़ी चुनौती बन सकती है? जमीनों का विवरण तैयार करना या फिर जांच करना राज्य सरकार के लिए आसान नहीं होगा। हालांकि भू कानून लागू होने के बाद से ही तमाम जमीनों के विवरण आनलाइन किए जा चुके हैं, लेकिन समस्या एक बड़ी यही है कि किस व्यक्ति ने अपने परिवार के नाम से कितनी जमीन खरीदी है? इसका पता लगाना काफी मुश्किल काम है। ऐसा भी हो सकता है कि किसी व्यक्ति ने जमीन खरीदी हो और फिर उसकी पत्नी ने भी जमीन खरीदी, लेकिन उसके केयर आफ में उसके पिता का नाम हो। ऐसे में उसका पता लगाना काफी मुश्किल हो सकता है। ये भी हो सकता है कि किसी ने जमीन परिवार के नाम से खरीदी हो, लेकिन वो जमीन किसी और को बेच दी गई हो।

उत्तराखण्ड में बाहरी लोगों को लेकर विधानसभा चुनावों से पहले भी भू-कानून की मांग अपने चरम पर थी। सरकार द्वारा अब इस नई पहल से कहीं ना कहीं उस मुद्दे पर भी लोगों को राहत देने की कोशिश इस अध्यादेश के जरिये की जा रही है। इन नए नियमों के चलते अपराधी प्रवत्ति के लोगों को उत्तराखण्ड में जमीन खरीदना निश्चित तौर पर मुश्किल होगा।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

28 अक्टूबर 2024

पिघलता हिमालय

साप्ताहिक
हल्द्वानी

दीपावली

हमारी सांस्कृतिक विरासत

रतन सिंह किरमोलिया

त्योहार, उत्सव आदि जहाँ हमारे राष्ट्रीय लोक जीवन की आस्था, आकांक्षा, उत्साह एवं उमंगों के प्रतीक माने जाते हैं, वहीं ये हमारे राष्ट्रीय लोक जीवन में संस्कृति और सभ्यता के दिग्दर्शन भी कराते हैं। इन्हें बार-बार मनाए जाने का उद्देश्य है आशावान लोक जीवन में आस्था, विश्वास एवं संकल्पों का सुदृढ़ीकरण। इन परम्पराओं को हमारी सांस्कृतिक विरासत के रूप में भी माना जाना जाता है। इन्हें अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए इनका नियमित हर्षोल्लास के साथ मनाया जाना जरूरी है।

जहाँ तक दीपावली मनाए जाने का तात्पर्य है, इसे मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम से जोड़ कर देखा जाता है। यह सर्वविदित है कि युवराज राम को चौदह बर्ष का वनवास और छोटे भाई भरत को राजपाट की घोषणा हो गई। यह दीगर बात है कि वनवास में छोटा भाई लक्ष्मण और पत्नी सीता जी उनके साथ रही। इन चौदह बर्षों में जिन जिन परिस्थितियों का उन्होंने सामना किया और उनमें विजयश्री प्राप्त की। उन्हीं ने उन्हें युवराज राम से मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम बनाया।

इसी कारण युद्ध विजय के बाद अयोध्या लौटने पर इसी खुशी में पूरे अयोध्या वासियों ने उनके स्वागत में दीपावली जैसे प्रकाश पर्व का बड़े हर्षोल्लास के साथ भव्य आयोजन किया। भगवान श्रीराम में परम आस्था के कारण इसने लोक परम्परा का रूप ग्रहण कर लिया। जो अनवरत रूप से अद्यतन चलते आ रहा है।

मैंने अपने बचपन में देखा। दीपावली के इस पावन पर्व पर काफी समय पूर्व से घरों में साफ सफाई, लिपाई पुताई की जाती है। देहरी द्वार, सीढ़ियां, ओखली, देवताओं के मन्दिर सर्वत्र लाल मिट्टी या गेरू से लिपाई की जाती है। चावल भिगोया जाता है। उसे सिलबट्टे पर पीस कर गाढ़ा घोल बनाया जाता है। इस घोल से देहरी द्वार सीढ़ियां ओखली देवताओं के मन्दिर आदि में लिखाई जुखाई की जाती है। इसे 'ऐपण' कहा जाता है। घर के फूलों से मालाएं बना कर घर-द्वार मन्दिर सब सजाए जाते हैं। अमावस्या के दिन सायं काल घरों में तेल और घी के दीपक जलाए जाते हैं। मन्दिरों में भी दीपक जलाए जाते हैं। ओखली में वर्तिका जलाई जाती है। धन-धान्य की समृद्धि के लिए घर के अन्दर बक्सों और भकारों में भी दीपक जलाए जाते हैं। धन समृद्धि के लिए रात में लक्ष्मी का पूजन किया जाता है। इसमें लोक का अतिशय उत्साह देखते ही बनता है।

दूसरे दिन गोवर्धन पूजा का आयोजन किया जाता है। इस दिन मवेशियों के सींगों में तेल मला जाता है। उन्हें पिठ्यां लगाया जाता है। फूलों से बनी मालाएं पहनाई जाती हैं। उसके बाद उन्हें पीसे चावल के घोल जिसे 'विस्वार' कहा जाता है, में हथेली और अंगुलियों को डुबोकर उसे हाथ से मवेशियों के सिर और पीठ पर ठप्पे लगाए जाते हैं। इस प्रक्रिया को 'हत्याई' लगाना कहा जाता है। इसके बाद विभिन्न अनाजों को मिलाकर बनाया गया आटे को पानी में गूंथ कर उसकी बड़ी-बड़ी लोइयां बनाकर सभी जानवरों को खिलाया जाता है। इसे 'पिन' कहा जाता है।

परिवार के बुजुर्गों द्वारा बच्चों सहित सभी को पिठ्यां और 'हत्याई' लगाई जाती है और उन्हें आशीर्वाद दिया जाता है। इस तरह गोवर्धन पूजा सम्पन्न होती है। तीसरे दिन भैय्या दूज मनाया जाता है। इस दिन प्रात काल मवेशियों के सींगों पर तेल लगाया जाता है। उनको पिठ्यां लगाया जाता है। उसके बाद चावल के घोल में काष्ठ के बने सेर जिसे 'माणा' कहा जाता है, के खुले सिरे को डुबोकर मवेशियों के सिर और पीठ पर ठप्पे लगाए जाते हैं। इसे माणा लगाना भी कहा जाता है। यहाँ पर यह भी उल्लेखनीय है कि जो गाय, भैंस या बकरी गाभिन हो। उसे माणा नहीं लगाया जाता है। उसे इस दिन भी हत्याई ही लगाई जाती है ।

यही प्रक्रिया फिर घर के बुजुर्ग सभी पारिवारिक जनों को पिठ्यां और माणा लगा कर पूरी करते हैं। पहले दिन हत्याई और दूसरे दिन माणा लगाए जाने के कारण इसे 'माणा- हत्याई' भी कहा जाता है। इसके बाद सयानों द्वारा नहा-धोकर पहले से भिगोए गए धानों को भूनकर ओखली में कूटा जाता है। इसे 'च्यूड़ कूटना' भी कहा जाता है। फिर तैयार च्यूड़ों को ब्राह्मण द्वारा पूजा और प्रतिष्ठा जाता है। तत्पश्चात इन च्यूड़ों को सभी के सिरों में रखा जाता है। मन्दिरों में चढ़ाया जाता है। यहाँ तक कि पारिवारिक जन जो प्रदेश से घर नहीं आ पाए। उन्हें च्यूड़ों को लिफ़ाफ़ों में रखकर डाक से भेजा जाता है।

भैया बहनें भी एक दूसरे के सिरों में च्यूड़ रखते। आशीर्वाद देते और लेते हैं। इस अवसर पर विभिन्न पकवान बनाए जाते हैं। इसे त्योहार बनाना भी कहा जाता है। त्योहार खाने के बाद रिश्तेदारी में त्योहार देने की भी परम्परा है।

दीपक अमावस्या और दूसरे दिन भी जलाए जाते हैं। इस तरह इस त्योहार को बहुत बढ़-चढ़ कर हर्षोल्लास से मनाया जाता है। घर गाँव में इस त्योहार को 'च्यूड़ी', 'बग्वाइ',' दिवाइ', 'माण-हत्याइ' के त्यार आदि कई नामों से जाना और पुकारा जाता है। ऐसी लोक परम्परा है।

इस दीपोत्सव, प्रकाशोत्सव को समाज के अज्ञान रूपी अंधकार से ज्ञान रूपी प्रकाश की ओर प्रवृत्त होने के प्रतीक रूप में भी माना जाता है परन्तु अब धीरे धीरे ये परम्पराएं शहरों में तो समाप्त प्राय: ही हैं। गाँव घरों में भी समाप्ति की कगार पर दिख रही हैं। हां कृत्रिम संसाधनों ने नई परम्पराओं को जन्म अवश्य दे दिया है। इनमें खासकर बम पटाखे पर्यावरण प्रदूषण के कारण और कारक बन रहे हैं। यह चिन्ता और चिन्तनीय बात है।

ज्योतिष की बातें- 201

29 अक्टूबर 2024 को बुध समराशि वृश्चिक में प्रवेश करेगा। वहाँ पर गुरु की शुभदृष्टि तो शनि की क्रूरदृष्टि भी पड़ेगी अत: बुध मिश्रित फल प्रदान करेगा। बुध बुद्धि, व्यवसाय, वाणिज्य, लेखन, साहित्य आदि अपने कारक विषयों में अगले 66 दिन तुला, सिंह, मिथुन, मेष, कुम्भ व मकर राशि के जातकों को शुभफल प्रदान करेगा।

धन्वन्तरि जयन्ती- कार्तिक कृष्णपक्ष त्रयोदशी प्रदोषव्यापिनी तिथि, तदनुसार मंगलवार 29 अक्टूबर 2024 को धन्वन्तरि जयन्ती, यम दीपदान मनाया जाएगा।

नरक चतुर्दशी, छोटी दिवाली- कार्तिक कृष्णपक्ष चतुर्दशी अरुणोदय व्यापिनी तिथि, तदनुसार 31 अक्टूबर 2024 को छोटी दिवाली का पर्व मनाया जाएगा।

दीपावली- कार्तिक कृष्णपक्ष अमावस्या प्रदोष व्यापिनी तिथि में दीपावली का पर्व मनाया जाता है। यदि दो दिन प्रदोष काल में अमावस्या हो तो अगले दिन दीपावली का पर्व होता है। तदनुसार 1 नवम्बर 2024 को दीपावली पर महालक्ष्मी पूजन किया जाएगा।

गोवर्धन पूजा- कार्तिक शुक्लपक्ष प्रतिपदा उदय व्यापिनी त्रिमुहूर्ता तिथि में गोवर्धन पूजा की जाती है अत: शनिवार 2 नवम्बर 2024 को गोवर्धन पूजा अर्थात् अन्नकूट पूजा का उत्सव मनाया जाएगा।

भैयादूज- कार्तिक शुक्लपक्ष द्वितीया अपरान्ह व्यापिनी तिथि, तदनुसार रविवार 3 नवम्बर 2024 को यमद्वितीया अर्थात् भैयादूज का पर्व मनाया जाएगा।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 92

राजनीतिक दलों की समानता

अधिकतर बातों में प्राय: सभी राजनीतिक पार्टियाँ एक जैसी ही हैं। सभी राजनीतिक पार्टियाँ विकासवादी हैं अर्थात् सभी पार्टियाँ सड़कें चौड़ी करने के लिए, बड़े-बड़े बांध बनाने के लिए, तथा उसके लिए जंगलों का विनाश करने के लिये, लाखों पेड़ों को काटकर पर्यावरण का विनाश करने के लिए सभी के विचार एक जैसे ही हैं। सभी पार्टियाँ आरक्षण की सीमा बढ़ाकर 50प्रतिशत से अधिक करने के लिए पूर्ण सहमत हैं अर्थात् जातिगत आरक्षण और फ्री फण्ड की योजनाओं के लिए सभी पार्टियों में मौन सहमति बनी हुई है । भले ही उससे समाज में विद्वेष, क्रूरता और अव्यवस्था पैदा होती हो। सभी पार्टियाँ महिला सशक्तिकरण के नाम पर पुरुषों का उत्पीड़न करने के लिए एक जैसी हैं भले ही उससे तलाक बढ़ रहे हों और परिवार व्यवस्था छिन्न-भिन्न हो रही हो। पाश्चात्य संस्कृति व सभ्यता को बढ़ावा देने में अर्थात् भारतीय परम्परा, संस्कार, संस्कृत, संस्कृति और सभ्यता की उपेक्षा करने में सभी पार्टियाँ एक समान हैं। शिक्षा व्यवस्था, न्याय व्यवस्था, स्वास्थ्य व्यवस्था में भारत के अनुरूप परिवर्तन करने की इच्छा किसी भी पार्टी में नहीं है, न ही उनके पास कोई दृष्टिकोण है।

इस प्रकार सभी पार्टियाँ देश में वर्तमान में ऐसी हैं जो किसी भी प्रकार से मतदाताओं को बेवकूफ बनाकर, धोखा देकर सत्ता प्राप्त करना चाहती हैं इसलिए जनता को सावधान रहना चाहिए। किसी भी पार्टी से निकटता अथवा उसकी सदस्यता आज उचित नहीं है। यदि जरा भी देश से प्यार है तो पार्टियों की समाज विध्वंसक नीतियों का खुलकर विरोध करना चाहिए ।

-सरल

बात पर बात

पर्यटनों के बढ़ावा हेतु रोपवे योजना संचालित हो

नन्दा बल्लभ पाण्डे

उत्तराखण्ड के पर्वतीय अंचलों में पर्यटन व्यवसाय को विस्तार देने हेतु रोपवे योजना शुरू किया जाना श्रेयकर होगा। जैसे- हल्द्वानी से नैनीताल तक सड़क यातायात में अब काफी ट्रैफिक जाम बढ़ जाता है, जिससे पर्यटकों को नैनीताल में आवाजाही आदि के लिए सड़क यातायात में काफी भीड़ होने होने से पर्यटकों/यात्रियों को गन्तव्य स्थान तक पहुँचने में बहुत समय लग जाता है। इसके अलावा वर्षा ऋतु में जगह-जगह सड़कों में भूस्खलन होने से भी रोपवे सुविधाजनक होगी। जैसे हरिद्वार के मनसादेवी मन्दिर व चण्डी मन्दिर में जाने हेतु रोपवे बनाई गई है जिसके द्वारा श्रद्धालु यात्रियों को यात्रा में काफी आराम है और दर्शन भी जल्दी हो जाता है।

इसी प्रकार हल्द्वानी से नैनीताल यात्रा करने हेतु भी हवाई मार्ग में रोपवे की सुविधा बनाई जाए तो जमीनी सड़क यातायात की मार कम हो जायेगा तथा यात्रियों को गन्तव्य तक पहुँचने में आसानी रहेगी। हल्द्वानी से नैनीताल तक रोपवे बनाने की योजना काफी समय से विचार में है लेकिन यह अभी तक सुचारू रूप से संचालित नहीं हो पाई है। अत: हल्द्वानी, रानीबाग, ज्योलीकोट होते हुए नैनीताल तक के लिए रोपवे योजना को शीघ्र संचालित किया जाना चाहिये। इससे पर्यटकों को सुविधा मिलेगी और यात्रा में सभी आसानी होगी। इसी प्रकार पर्वतीय नगरों रानीखेत, अल्मोड़ा, कौसानी आदि स्थानों की यात्रा में भी रोपवे का संचालन किया जाए तो कई लाभ होंगे। अत: सरकार को इस योजना में भी विचार करके कार्य प्रारम्भ करना चाहिये।

दीपावली का यह त्यौहार हमारे सभी पाठकों, सहयोगियों, मित्रों का जीवन खुशियों और धन्य-धान्य पूर्ण करे।
पिघलता हिमालय

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

28 अक्टूबर 2024

पिघलता हिमालय

साप्ताहिक
हल्द्वानी

नवनिर्मित मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा

गणाईगंगोली। क्षेत्र के चौकी अठ्ठी गाँव के लोगों के सहयोग से बने नवनिर्मित नौलिंग मन्दिर में नौलिंग देव की प्राण प्रतिष्ठा का भव्य आयोजन किया गया। दुग्धाभिषेक, भीम और राम की आरती, हवन, गोदान, ध्वजा, कन्या पूजन के बाद भण्डारे का आयोजन किया गया।

बिर्थी में 7 शिक्षकों का एकसाथ तबादला

नाचनी। महावीर चक्र विजेजा दीवान सिंह दानू इण्टर कालेज बिर्थी में एकसाथ 7 शिक्षकों के तबादले से सबको आश्चर्य है। शिक्षकों की कमी से क्षेत्रवासी चिन्तित हैं और उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि प्रतिस्थानी नहीं भेजे जाते हैं तो आन्दोलन किया जायेगा।

किच्छा में शुरू होगा सेटेलाइट एम्स

किच्छा। अपने दौरे में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जनसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि एम्स के ऐटेलाइट सेन्टर का शुभारम्भ 2025 में कर दिया जायेगा। इससे पहले उन्होंने किच्छा में निर्माणाधीन एम्स के सेटेलाइट सेन्टर का निरीक्षण भी किया।

क्वारब लैंडस्लाइड जोन का ट्रीटमेंट होगा

अल्मोड़ा। अल्मोड़ा-हल्द्वानी राष्ट्रीय राजमार्ग में क्वारब के पास बार-बार मलबा व पत्थर आने से खतरा बना हुआ है। समस्या का समाधान खोजने के लिए केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री अजय टम्टा ने टीएचडीसी के सक्सपर्ट, राष्ट्रीय राजमार्ग व जिला प्रशासन के साथ डेंजर जोन का निरीक्षण करते हुए इसके शीघ्र समाधान के निर्देश दिये।

पूछड़ी के लोगों का धरना प्रदर्शन जारी

रामनगर। ग्राम पूछड़ी व कालू सिद्ध के 151 परिवारों पर बेदखली की कार्रवाही पर रोक लगवाने व डीएफओ तराई पश्चिमी रामनगर द्वारा उनके खिलाफ दिए गए बेदखली आदेशों की प्रति प्रतिवादी ग्रामीणों को उपलब्ध कराने की मांग को लेकर संयुक्त संघर्ष समिति का धरना प्रदर्शन जारी है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि डीएफओ कार्यालय न तो उनका नकल हेतु प्रार्थना पत्र स्वीकार रहा है और न उनके द्वारा प्रस्तुत जवाबों को स्वीकार कर रहा है।

कपकोट-भराड़ी में अतिक्रमण न करने की चेतावनी, व्यापारियों का रूख भी

कपकोट/बागेश्वर। कपकोट-भराड़ी में प्रशासन द्वारा अतिक्रमण न करने की चेतावनी देते हुए 50 से अधिक को नोटिस दिया गया है। ऐसे में क्षेत्रवासियों में हलचल है। उनका कहना है कि भराड़ी बाजार में स्थानीय निवासियों की पैतृक सम्पत्ति है। सड़क लोगों ने अपनी सुविधा के लिये श्रमदान कर काटी थी। प्रशासन को क्षेत्र के इतिहास को जाने बगैर हड़बड़ाट में कार्यवाही नहीं करनी चाहिये। उपजिलाधिकारी का कहना है कि सड़क आवागमन के लिये है इसमें सामान न फैलाया जाए और कलमटों पर कब्जा न हो।

प्रशासन के रूख के के बाद भराड़ी बाजार में व्यापारी और प्रशासन के बीच बातचीत से रास्ता निकाला गया कि वाहनों को खड़ करने के दिन तय किये गये। इसमें बारी-बारी से वाहनों को तरीके से पार्क किया जायेगा। एक दिन सड़क के दाएं दूसरे दिन बाएं इस प्रकार वाहनों को खड़ा करेंगे ताकि जाम न लगे। व्यापारियों ने कहा कि भराड़ी बाजार 1952 में बसी। यहाँ दुकानें और मकान बनने के बाद सड़क बनने का काम हुआ। पर्वतीय हालातों को देखते हुए सुगम तरीके से ही हालात ठीक किये जा सकते हैं।

जौलजीवी मेला स्थल तक मार्ग बने

जौलजीवी। तीलू रौतेली पुरस्कार से सम्मनित शकुन्तला दताल ने कमिश्नर दीपक रावत को उनके दौरे के समय ज्ञापन सौंपते हुए क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने ऐतिहासिक जौलजीवी मेला स्थल तक मार्ग निर्माण और सौन्दर्यीकरण की मांग को प्रमुखता से आयुक्त के सामने रखा। दारमा घाटी भ्रमण पर आये कमिश्नर रावत से भेंट कर दताल ने बताया कि मुख्यमंत्री घोषणा के तहत जौलजीवी गोरी पुल से लेकर मेला स्थल तक छोटे वाहनों के लिए मार्ग निर्माण किया जाना है लेकिन अभी तक न तो मार्ग बना है और न ही घाट निर्माण व सौन्दर्यीकरण का कार्य शुरू हुआ है। उन्होंने जौलजीवी में एक बारातघर का निर्माण करने और पांगला में स्वास्थ्य केन्द्र खोलने की मांग भी की। कहा पांगला में चार हजार की आबादी निवास करती हे लेकिन अस्पताल न होने से लोगों को धारचूला आना पड़ता है। दांतू में गबला मन्दिर तक भी मोटर मार्ग निर्माण की मांग रखी। इस अवसर पर जानकी करफाल, भावना मेहरा, कलावती, राजू दताल उपस्थित थे।

बाईपास और सुरंग बनाने की तैयारी है

देहरादून। राष्ट्रीय राजमार्ग की सुविधा को व्यवस्थित करने के लिये टनकपुर पिथौरागढ़ मार्ग पर बाईपास और सुरंगे बनाने की तैयारी है। सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण इस मार्ग पर बाईपास होने से पर्यटकों को विशेष लाभ होगा। बताया जा रहा है कि राष्ट्रीय राजमार्ग ने टनकपुर से पिथौरागढ़ तक फोरलेन मार्ग तैयार किया है लेकिन इसमें लोहाघाट और चम्पावत के बीच शहर से होकर सफर के कारण अधिकतर जाम रहता है। हालातों को देखते हुए बाईपास की योजना है। इस बाईपास में दो सुरंगें भी बनेंगी। इसी प्रकार पिथौरागढ़ में करीब 14.20 किमी का बाईपास होगा जो ऐंचोली के पास से शुरू होकर जाजरदेवल पुलिस चौकी के पास निकलेगा। यह भी बताया जा रहा है कि नैनीताल जिले के पंगोट मार्ग पर स्थित हिमदर्शन स्थल के पास सुरंग बनाने के निर्देश भी शासन से हो चुके हैं।

चम्पावत-लोहाघाट महोत्सवों की धूम

चम्पावत और लोहाघाट में महोत्सवों की धूम मची हुई है। कुछ पुराने मेलों के अलावा विगत कुछ वर्षों से आहूत होने वाले महोत्सवों में सांस्कृतिक दलों ने अपनी प्रस्तुति दी। बाराकोट में लड़ी धुरा महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने रं जमाया। यहाँ सांस्कृतिक जुलुस में शामिल झांकियों व खेलकूद के विजेताओं को एसडीएम रिंकू बिष्ट ने पुरस्कृत किया।

चम्पावत में घटोत्कच महोत्सव में स्थानीय विद्यालयों के अलावा बुलाए गये सांस्कृतिक दलों ने मंचीय प्रस्तुति दी। ऐपण प्रतियोगिता के अलावा लकी ड्रा के विजेताओं को पुरस्कार दिये गये। सीमान्त क्षेत्र तामली में दशहरा महोत्सव पर रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। आमंत्रित सांस्कृतिक दलों के अलावा खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन इसमें हुआ। खूना बोरा में पूर्णागिरी महोत्सव का आयोजन किया गया। जिले में दीपावली तक लगातार आयोजनों की झड़ी है।

सरकार के सामने पांचवां उपचुनाव

केदाननाथ्ह विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए समय तय होते ही भाजपा कांग्रेस के नेता दांव पर दांव खेल रहे हैं। इस उपचुनाव के साथी ही प्रदेश की धामी सरकार के सामने हय पांचवा उपचुनाव है। पहले हुए चार उपचुनाव में दोनों पार्टियों का मुकाबला बराबर का रहा है। ऐसे में अब होने जा रहा चुनाव दोनों पार्टियों के लिये कड़ी परीक्षा है। 20 नवम्बर को केदारनाथ सीट के लिये उपचुनाव होना है। धामी सरकार के दूसरे कार्यकाल में यह पांचवा उपचुनाव है। इससे पहले 2022 के चम्पावत उपचुनाव में विधायक कैलाश गहतोड़ी के सीट छोड़ने पर पुष्कर सिंह धामी ने चुनाव लड़ा और रिकार्ड मतों से कांग्रेस को हराया। इसके बाद बागेश्वर सीट जो मंत्री चन्दन राम दास के असामयिक निध न के कारण रिक्त थी में 2023 में हुए उपचुनाव में उनकी पत्नी पार्वती देवी विजय हुई। मंगलौर सीट पर बसपा के सरबत करीम और बद्रीनाथ सीट पर कांग्रेस के लखपत बुटोला विजयी हुए। ऐसे में यह उपचुनाव अग्निपरीक्षा ही है।

नौ परियोजनाएं लोकार्पित

देहरादून। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सीमा सड़क संगठन की ओर से निर्मित उत्तराखण्ड की नौ समेत 75 परियोजनाओं का वर्चुअली लोकार्पण कर राष्ट्र को समर्पित किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी वर्चुअली शामिल हुए। धामी ने कहा कि बुनियादी ढांचे की ये परियोजनाएं दूरदराज और वंचित क्षेत्रों के उत्थान में सहायक होंगी। प्रदेश में करछा पुल, मींग गधेरा पुल, शिवालिक परियोजना का कार्यालय, सुरिंगाड़ पुल, चिमला पुल का लोकार्पण किया गया।

परिक्रमा

प्रीपेड मीटर के विरोध में प्रदर्शन

किच्छा। पूर्व स्वास्थ्य मंत्री एवं कांग्रेस विधायक तिलकराज बेहड़ के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों ने जुलूस निकालते हुए प्रीपेड मीटर लगाए जाने का विरोध किया। कहा किच्छा विधानसभा में यह सब नहीं होने देंगे। कहा इससे आम गरीब जनता के घरों में अन्धेरा हो जाएगा। कई राज्यों में बिजली मुफ्त हो रही है लेकिन यहाँ बिलों के नाम पर लूटा जा रहा है।

इस तरह के अपराध पहले नहीं हुए

देहरादून। उत्तराखण्ड में लगातार नए किस्म के अपराध और अपराधों में बढ़ोत्तरी हो रही है। कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता गिरमा मेहरा दसौनी ने कांग्रेस मुख्यालय में यह चिन्ता जाहिर करते हुए कहा कि उत्तराखण्ड की छवि हमेशा शान्तिप्रिय प्रदेश की रही है। आपराधिक प्रवृत्ति वाले इस प्रदेश को हल्के में ले रहे हैं।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

28 अक्टूबर 2024

पिघलता हिमालय

साप्ताहिक
हल्द्वानी

5

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

बी.एस.धर्मशक्तू
शीशमहल
दमुवाढूंगा, हल्द्वानी

श्रीमती गीता रावत
जोहार नगर, भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी

उमेश भट्ट
अध्यक्ष टैक्सी यूनियन गंगोलीहाट
भट्ट टूर एण्ड ट्रेवल्स, गंगोलीहाट-पिथौरागढ़-हल्द्वानी

एल.पी. उप्रेती
ब्लाक-ए, जे.के.पुरम्,
छोटी मुखानी, हल्द्वानी

सीएम धामी के ताबड़तोड़ दौरे जारी, दावा- जमरानी बांध वर्ष २०१९ तक बनकर पूर्ण हो जाएगा

हल्द्वानी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के प्रदेश भर में ताबड़तोड़ दौरे जारी हैं। इसके अलावा समय-समय पर दिल्ली सहित अन्य स्थानों पर उनकी यात्राओं ने यह साबित कर दिया है कि भाजपा की ओर से अभी तक जितने भी मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड में बने हैं उनमें धामी धाकड़ बनकर उभरे हैं। डॉ.रमेश पोखरियाल को इस मामले में तेज माना जाता रहा है लेकिन पुष्कर धामी ने जिस प्रकार सबको साधा है वह राजनीति के गलियारों में चर्चा का कारण भी बने हुए हैं।

अपने दौरों के क्रम में धामी ने हल्द्वानी आकर 17208.57 लाख की 18 विभिन्न विकास योजनाओं का लोकार्पण किया और बहुउपयोग व प्रतीक्षित जमरानी बांध को लेकर दावा किया कि वर्ष 2029 तक यह पूर्ण रूप से बनकर तैयार हो जायेगा। हल्द्वानी में आयोजित कार्यक्रम में सीएम ने जमरानी बांध परियोजना में प्रभावित परिवारों को प्रतिकर धनराशि वितरित की। इसमें 1267 प्रभावित परिवारों को 4.79 अरब से अधिक की धनराशि वितरित की जानी है। जिसकी प्रक्रिया गतिमान है। प्रभावितों को उधमसिंह नगर के खुरपिया फार्म के गडरियाफार्म में पुनर्वास के लिए 300.5 एकड़ भूमि सिंचाई विभाग की दी गई है। उन्होंने कहा कि इस योजना से तराई भाबर का भविष्य बनेगा। इससे हल्द्वानी और इसके आस-पास पेयजल की समस्या का समाधान होगा, वहीं सिंचाई के लिए भरपूर पानी मिलेगा।

प्रेस वार्ता करते हुए सीएम ने कहा कि निकाय व त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव तय समय पर ही होंगे। राज्य निर्वाचन आयोग तैयारियां कर रहा है। इसी बीच वह कुमाऊँ द्वार महोत्सव में भागीदारी करने गये और कहा सरकार भाषा संरक्षण का काम भी कर रही है।

जरूरी भी है

विद्युत शवदाह गृह के बारे में लोगों को जागरूक होना चाहिये

हल्द्वानी। जिलाधिकारी वन्दना सिंह की इस अपील पर कि सिविल सोसाइटी के लोग विद्युत शवदाह गृह के बारे में लोगों को जागरूक करें, एमबीपीजी से सेवानिवृत्त प्राध्यापक डॉ.सन्तोष मिश्र ने विद्युत शवदाह गृह रानीबाग पहुँचकर नगर के समाज सेवियों, जागरूक लोगों से आग्रह किया कि पारम्परिक दाह संस्कार के साथ-साथ विद्युत शवदाह गृह को भी अपनाने की पहल करें। उन्होंने आगे कहा कि कोरोना महामारी के समय जब चारों तरफ बड़ी संख्या में शवों का दाह संस्कार न हो पाने के कारण बीमारियां फैलने का खतरा बढ़ गया था, उस समय विद्युत शवदाह गृह ही सहारा बना था। इसलिए लोगों को इस आधुनिक सहयोगी को महत्व देते हुए इसके बारे में जनसाधारण को जागरूक करने की आवश्यकता है। हाल ही में दिवंगत उद्योगपति रतन टाटा, वरिष्ठ भाजपा नेता सुषमा स्वराज, अभिनेता ऋषि कपूर और वरिष्ठ नेता जार्ज फर्नांडिस का अन्तिम संस्कार भी विद्युत शवदाह गृह में ही पूर्ण किया गया। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित का अन्तिम संस्कार सीएनजी शवदाह गृह में सम्पन्न हुआ था। यहाँ बताते चलें कि डॉ. सन्तोष मिश्र ने बहुत पहले ही सुशीला तिवारी मेडिकल कालेज हल्द्वानी में सपरिवार मरणोपरान्त देहदान के लिए शपथ पत्र प्रस्तुत किया है और साथ ही एम्स दिल्ली में सम्पूर्ण परिवार ने अंगदान के लिए भी संकल्प पत्र भरा है।

आंचलिक कथा साहित्स के क्षेत्र में मटियानी का विशेष योगदान : प्रो.देव सिंह पोखरिया

अल्मोड़ा। हिन्दी साहित्य जगत के प्रसिद्ध साहित्यकार शैलेश मटियानी की जयन्ती पर राजकीय इण्टर कालेज बाड़छीना में शैलेश मटियानी स्मृति समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उनके साहित्यिक योगदान पर चर्चा की गई।

फेस ट्रस्ट द्वारा आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि साहित्यकार व कवि प्रो. देवसिंह पोखरिया ने उनकी रचनाओं व साहित्य जगत में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शैलेश मटियानी ने आंचलिक कथा साहित्य के क्षेत्र में विशेष योगदान दिया।

इस अवसर पर आयोजित वरिष्ठ वर्ग की भाषण प्रतियोगिता में रुचि जोशी, प्रशान्त जोशी व पूजा फर्त्याल, कनिष्ठ वर्ग में माही परिहार, अंजली वर्मा और गायत्री युप्याल ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी प्रधानाचार्य प्रीति पन्त और संचालन ट्रस्ट के अध्यक्ष अनिल बिष्ट ने किया।

प्रकृति से छेड़छाड़ आपदाओं को न्योता

पौड़ी। प्राकृतिक आपदाओं के लिए मानवीय हस्तक्षेप को जिम्मेदार बताते हुए समय रहते आवश्यक कदम उठाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। आपदा न्यूनीकरण कार्यशाला में वक्ताओं ने माना कि प्रकृति से अधिक छेड़छाड़ ही आपदाओं को न्योता दे रही है।

नेहरू युवा केन्द्र द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण दिवस पर बीजीआर परिसर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें छात्र-छात्राओं को आपदा न्यूनीकरण को लेकर जानकारियां दी गई। मुख्य अतिथि प्रो. नवीन चन्द्र ने कहा कि अधिकांश आपदाओं के प्रभाव को कम करने के लिए हम सभी ने अपने जीवन शैली में सामान्य परिवर्तन करने होंगे। हम अपनी ऊर्जा की जरूरतों को नवीकरणीय ऊर्जा जैसे सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा आदि से पूरा करेंगे तो आपदाओं से होने वाली जन-धन की हानि को कम किया जा सकता है। जिला युवा कल्याण अधिकारी शैलेश भट्ट ने युवाओं को आपदा प्रबन्धन के लिये हर किसी को जागरूक रखने की बात कही।

कुमाउंनी भाषा सम्मेलन 10 से 12 नवम्बर

अल्मोड़ा। कुमाउंनी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति प्रचार समिति व पहरू मासिक द्वारा जन सहयोग से आगामी 10, 11 व 12 नवम्बर को राष्ट्रीय कुमाउंनी भाषा सम्मेलन किया जा रहा है। समिति के सचिव डॉ.हयात सिंह रावत ने बताया कि इस 16वें राष्ट्रीय सम्मेलन में कुमाउंनी पुस्तक, कला व तमाम प्रकार की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। सम्मेलन में तीन दिन तक कुमाउंनी भाषा में साहित्य की सभी विधाओं व संगीत तथा कला के विविध पहलुओं पर गहन विचार-विमर्श के बाद भावी रूपरेखा तय की जाएगी। इस अवसर पर पूर्व घोषित सम्मान भी प्रदान किये जा रहे हैं। सम्मेलन के संयोजक डॉ.भुवन चन्द्र जोशी ने बताया हे कि आयोजन में मुख्यमंत्री, विधायकों व सांसद को भी आमंत्रित किया गया है। उन्होंने सभी से अपनी दुदबोली के उत्थान के लिये सहयोग देने की अपील की है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

बलवन्त सिंह धर्मशक्तू

मुकुल विहार (निकट-नक्षत्रलोक), लालडांट रोड, हल्द्वानी

Hotel
Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

धमोत होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी

Hayat Paradise
Bus Station
Munsiari
Ph. 09411556700, 9997733070

न तेरा न मेरा Thats
APNA GHAR चौकोड़ी
HOTEL RESTRO BANQUET
मो.- 9458920379, 6396098804

YOGA MEDITATION	LIVE MUSIC	HOMELY FOOD	BIRTHDAY WEDDING

Near by- (माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)
पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

माँ नन्दा आयरन एण्ड बिल्डिंग मैटेरियल
भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी
(सीमेन्ट, सरिया, टाइल, पेण्ट, सेनेटरी, हार्डवेयर)
गोदाम- जोहार एसोसिएट्स, बच्चीनगर- १, कमलुवागांजा, हल्द्वानी
मो.- 7409440813, 7500619761

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236 8958525979, 9411134775

घर से बाहर अपनों का साथ
होटल लक्ष्य इन
मदकोट
सम्पर्क
नरेन्द्र सिंह रावत 7351285555

MARTOLIA FURNITURE
A unit of Martolia Enterprises
Pilikothi, Haldwani
Mob- 8057167777, 7906752084, 8650427229

Enjoy Beauty of
Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House-
Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From
Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/मोबाइल
9458961490, 9411770280, 9411301014,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)